|| माँ शैलपुत्री आरती ||

|| ॐ श्री गणेशाय नमः ||

शैलपुत्री माँ बैल असवार, करें देवता जय जयकार ||
शिव शंकर की प्रिय भवानी, तेरी महिमा किसी ने न जानी ||
पार्वती तु उमा कहलावें, जो तुझे सुमिरे सो सुख पावें ||
रिद्धि सिद्धि परवान करें तू, दया करें धनवान करें तू ||
सोमवार को शिव संग प्यारी, आरती जिसने तेरी उतारी ||
उसकी सगरी आस पुजा दो, सगरे दुःख तकलीफ मिटा दो ||
घी का सुन्दर दीप जला के, गोला गरी का भोग लगा के ||
श्रद्धा भाव से मंत्र गाये, प्रेम सहित फिर शीश झुकायें ||
जय गिरराज किशोरी अम्बे, शिव मुख चंद्र चकोरी अम्बे ||
मनोकामना पूर्ण कर दो, चमन सदा सुख सम्पत्ति भर दो ||

www.hanumanchalisalyric.com